



अध्याय -1 कंप्यूटर का परिचय

Q.No. 1: कंप्यूटर क्या है? कंप्यूटर के फायदे और नुकसान क्या हैं?

Answer:

कंप्यूटर एक प्रोग्राम करने योग्य मशीन है। यह अच्छी तरह से परिभाषित तरीके से निर्देशों के विशिष्ट सेट का जवाब देता है और यह निर्देशों की एक पूर्व-सूचीबद्ध सूची निष्पादित कर सकता है।

आधुनिक कंप्यूटर: आधुनिक कंप्यूटर के दो भाग होते हैं - एक इलेक्ट्रॉनिक भाग और एक डिजिटल भाग। हार्डवेयर में तार, ट्रांजिस्टर और सर्किट होते हैं। निर्देश और डेटा को सॉफ्टवेयर कहा जाता है।

एक कंप्यूटर के लाभ:

मल्टीटास्किंग: मल्टीटास्किंग से काम आसान हो जाता है और समय की बचत होती है। हम कई कर सकते हैं

कंप्यूटर में एक साथ चीजें। हम कुछ सेकंड के भीतर कई कार्यों, संचालन और संख्यात्मक समस्याओं की गणना कर सकते हैं।

गति: एक कंप्यूटर एक गणना उपकरण से अधिक है। यह बहुत तेज़ है और हमें अपने कार्यों को बहुत तेज़ी से करने की अनुमति देता है।

स्टोर विशाल डेटा की मात्रा: कंप्यूटर डेटा की एक बड़ी मात्रा को संग्रहीत कर सकते हैं। यह फाइल, डॉक्यूमेंट, इमेज और वीडियो स्टोर कर सकता है।

सटीकता: कंप्यूटर सटीकता के साथ संख्यात्मक समस्याओं को हल कर सकते हैं।

डेटा सुरक्षा: कंप्यूटर डेटा की सुरक्षा कर सकते हैं। वे हमें साइबर हमलावरों से सुरक्षित करते हैं। साइबर अपराध और साइबर पहुंच में कमी आई है।

आपकी उत्पादकता बढ़ाता है: कंप्यूटर की मदद से हम कम मेहनत और समय के साथ कोई भी काम कर सकते हैं। कंप्यूटर का उपयोग करके हम अपनी ऊर्जा और समय बचाते हैं। हम दस्तावेजों को बना, स्टोर, एडिट, शेयर और प्रिंट कर सकते हैं। कंप्यूटर के बिना, इसमें बहुत समय लग सकता है।

इंटरनेट कनेक्शन: इंटरनेट कंप्यूटर का मुख्य लाभ है। हम इंटरनेट का उपयोग करके दस्तावेजों या वीडियो के रूप में बहुत सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सूचना को व्यवस्थित करता है: जब हम कंप्यूटर में बहुत सारी जानकारी संग्रहीत करते हैं, तो हम सूचना को वर्णानुक्रम में व्यवस्थित या अलग कर सकते हैं, जो हमें कुछ समय में कोई भी जानकारी खोजने में मदद करती है।

सभी को जोड़ता रहता है: हम कंप्यूटर का उपयोग करके लाखों लोगों के साथ जुड़े रह सकते हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे विभिन्न सोशल मीडिया साइट हैं जिनके माध्यम से हम एक ही समय में कई लोगों के साथ जानकारी साझा कर सकते हैं।

छात्रों के लिए एक उपकरण: कंप्यूटर छात्रों के लिए एक महान उपकरण हो सकता है। विद्यार्थी किसी भी चीज़ के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए Google का उपयोग कर सकते हैं। वे किसी विशेष अवधारणा को समझने के लिए YouTube का उपयोग कर सकते हैं।

आप पैसे प्राप्त कर सकते हैं: YouTube पर सामग्री अपलोड करके, यदि आप पर्याप्त ग्राहक प्राप्त करते हैं, तो आप बहुत सारा पैसा कमा सकते हैं। एक ऑनलाइन स्टोर शुरू करने से आप स्थानीय स्टोर की तुलना में बहुत पैसा कमा सकते हैं।

स्वचालित करने में मदद करता है: कंप्यूटर की एक महान विशेषता एक मशीन को स्वचालित करना है। उदाहरण के लिए, कार निर्माण कारखानों में, एक रोबोट बांह को इस तरह से प्रोग्राम किया जा सकता है कि यह उन चरणों को दोहरा सकता है जो हम इसे करना चाहते हैं।

शारीरिक रूप से विकलांग मदद करें: जो लोग बात नहीं कर सकते हैं वे कंप्यूटर के माध्यम से संवाद कर सकते हैं। लोग स्टीफन हॉकिंग जैसे कंप्यूटर का उपयोग करके भी बोल सकते हैं। विशेष सॉफ्टवेयर स्थापित करके एक अंधा व्यक्ति स्क्रीन पर क्या पढ़ सकता है।

मनोरंजन: कंप्यूटर विभिन्न तरीकों से हमारा मनोरंजन कर सकते हैं। हम अब इंटरनेट के माध्यम से लाखों गाने सुन सकते हैं। हम अपने खाली समय में सोशल मीडिया पर सर्फ कर सकते हैं। यह हमें फिल्में डाउनलोड करने या उन्हें ऑनलाइन देखने की अनुमति देता है।

एक कंप्यूटर के नुकसान:

साइबर अपराध: चूंकि डेटा को बचाने के लिए लाखों लोगों द्वारा कंप्यूटर का उपयोग अब दुनिया भर में किया जाता है, इसलिए कुछ लोग ऐसे भी हैं जो खाता हैक करके डेटा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। अन्य के खाते से चुपके से जानकारी प्राप्त करने का अवैध तरीका साइबर अपराध के रूप में जाना जाता है। लोग दूसरे लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट को भी हैक कर लेते हैं और उन्हें परेशानी में डालने के लिए अवांछित काम करते हैं। कुछ एजेंसियां हैं जो इस प्रकार के लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश करती हैं।

बेरोजगारी बढ़ाता है: कंप्यूटर ने मनुष्य की जगह ले ली है क्योंकि कंप्यूटर बहुत तेज और सटीक होते हैं और पैसे और समय की भी बचत करते हैं। इसके कारण बेरोजगारी बढ़ी है।

बिजली का उपयोग करता है: कुछ लोग कंप्यूटर पर इतने निर्भर होते हैं कि वे पूरे दिन कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इससे बहुत अधिक बिजली का उपयोग होता है। चूंकि बिजली एक संपूर्ण संसाधन है, इसलिए हमें इसे बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिए।

निर्भरता: कुछ लोग इतने आदी होते हैं और कंप्यूटर पर निर्भर होते हैं कि वे इसके बिना नहीं रह सकते। यह प्रियजनों और परिवार के सदस्यों के बीच समस्याएं पैदा करता है।

लोगों को आलसी बनाता है: कंप्यूटर की सुविधा के कारण, लोग शारीरिक गतिविधि करने से इनकार करते हैं। इसने लोगों को आलसी और अस्वस्थ बना दिया है।

Q.No. 2: पीसी प्रणाली के मुख्य घटक क्या हैं? प्रत्येक घटक की व्याख्या करें?

उत्तर:

कंप्यूटर आंतरिक वास्तुशिल्प डिजाइन विभिन्न प्रकारों और आकारों में आता है, लेकिन बुनियादी संरचना सभी कंप्यूटर प्रणालियों में से एक ही रहती है।

सामान्य प्रयोजन के कंप्यूटर सिस्टम के प्रमुख घटक इनपुट यूनिट, मुख्य / आंतरिक मेमोरी या स्टोरेज यूनिट, आउटपुट यूनिट, सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट हैं। सीपीयू में आगे अंकगणित तर्क इकाई (ALU) और नियंत्रण इकाई (CU) शामिल हैं। सभी इकाइयों को "कार्यात्मक इकाइयों" के रूप में भी जाना जाता है। वे उपकरण जो सीपीयू के अभिन्न अंग नहीं हैं उन्हें बाह्य उपकरणों के रूप में संदर्भित किया जाता है।

इनपुट यूनिट

इनपुट यूनिट का उपयोग प्रसंस्करण और गणना से पहले उपयोगकर्ता द्वारा सूचना प्रसंस्करण प्रणाली में हस्तांतरण के कच्चे डेटा और नियंत्रण संकेतों के लिए किया जाता है। सभी इनपुट यूनिट उपकरण निर्देश प्रदान करते हैं और डेटा को बाइनरी कोड में बदल दिया जाता है जो प्राथमिक मेमोरी स्वीकार्य प्रारूप है।

इनपुट यूनिट उपकरणों का उदाहरण: कीबोर्ड, माउस, स्कैनर, जॉयस्टिक, एमआईसीआर, छिद्रित कार्ड, छिद्रित कागज टेप, चुंबकीय टेप आदि।

मेमोरी या स्टोरेज यूनिट

मेमोरी या स्टोरेज यूनिट का इस्तेमाल प्रोसेसिंग से पहले और बाद में डेटा स्टोर करने के लिए किया जाता है। भंडारण की क्षमता बाइट्स के संदर्भ में व्यक्त की जाती है।

मेमोरी या स्टोरेज यूनिट का उपयोग दो जगह से किया जाता है, इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि मेमोरी और स्टोरेज में क्या अंतर है?

स्मृति

यह इकाई आगे की प्रक्रिया तक अस्थायी रूप से परिणाम बनाए रखती है, उदाहरण के लिए, रैंडम एक्सेस मेमोरी (रैम)। यह मेमोरी अस्थिर है, जिसका अर्थ है कि बिजली खो जाने पर डेटा गायब हो जाता है।

भंडारण

स्थायी रूप से प्रसंस्करण के बाद डिजिटल डेटा को बनाए रखने के लिए भंडारण या "माध्यमिक भंडारण" का उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए हार्ड ड्राइव। भंडारण प्रकृति में गैर-वाष्पशील है। सीपीयू सीधे माध्यमिक भंडारण यादों तक नहीं पहुंचता है, इसके बजाय वे इनपुट-आउटपुट यूनिट के माध्यम से एक्सेस करते हैं। द्वितीयक भंडारण यादों की सामग्री पहले मुख्य मेमोरी (रैम) में स्थानांतरित की जाती है और फिर सीपीयू इसे एक्सेस करता है।

आउटपुट यूनिट

आउटपुट यूनिट सीपीयू से जानकारी प्राप्त करता है और फिर इसे बाहरी स्टोरेज या डिवाइस को सॉफ्ट या हार्ड प्रोसेस्ड रूप में डिलीवर करता है। जिन उपकरणों का उपयोग उपयोगकर्ता को आउटपुट प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है, उन्हें आउटपुट डिवाइस कहा जाता है। मॉनिटर या प्रिंटर आम आउटपुट डिवाइस हैं।

सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट

कंप्यूटर में मुख्य चिप माइक्रोप्रोसेसर चिप है, जिसे सीपीयू (केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई) के रूप में भी जाना जाता है। सीपीयू को एक मुद्रित सर्किट बोर्ड पर रखा गया है जिसे मुख्य बोर्ड या मदर बोर्ड कहा जाता है। इस चिप को कंप्यूटर सिस्टम की कंट्रोलिंग चिप माना जाता है क्योंकि यह अन्य चिप्स की गतिविधियों के साथ-साथ कंप्यूटर से जुड़े बाहरी उपकरणों, जैसे मॉनिटर और प्रिंटर को नियंत्रित करती है। इसके अतिरिक्त, यह तार्किक और कम्प्यूटेशनल कार्य भी कर सकता है। माइक्रोप्रोसेसर एक समानांतर प्रणाली पर काम करते हैं। चित्रा पहली पीढ़ी के माइक्रोप्रोसेसरों में से एक की एक विशिष्ट संरचना को दर्शाता है। हाल के लोगों में अधिक जटिलता है, हालांकि मूल डिजाइन अवधारणा में बहुत बदलाव नहीं हुआ है।

Q.No. 3: कंप्यूटर द्वारा किए जाने वाले 5 मूल संचालन क्या हैं?

उत्तर:

एक कंप्यूटर प्रणाली के बुनियादी संचालन

1. inputting

2. प्रसंस्करण

3. outputting

4. संग्रहीत

5. नियंत्रण

inputting

यह एक कंप्यूटर सिस्टम का एक बुनियादी ऑपरेशन है। यह कंप्यूटर में डेटा और निर्देश को खिलाने का कार्य है। इनपुट करके आपको यह समझना चाहिए कि यह आवश्यक प्रारूप में कंप्यूटर को डेटा और / या निर्देश भेजना है। जैसे कि नेटवर्क कनेक्शन या इंटरनेट से जुड़े मोडेम के माध्यम से कीबोर्ड, डिस्क, या अन्य कंप्यूटरों के माध्यम से।

प्रसंस्करण इकाई

गणना और तुलना करने के कार्य को प्रसंस्करण के रूप में जाना जाता है। कंप्यूटर सिस्टम की इकाई जो प्रसंस्करण के लिए जिम्मेदार है, ALU (अंकगणित और तार्किक इकाई) है। ALU वह स्थान है जहां निर्देशों का वास्तविक निष्पादन प्रसंस्करण कार्यों के दौरान होता है। सभी गणना और तुलना ALU में की जाती हैं। प्राथमिक भंडारण में संग्रहीत डेटा और निर्देशों को आवश्यकतानुसार स्थानांतरित कर दिया जाता है। ALU मध्यवर्ती परिणाम उत्पन्न कर सकता है और इसे मेमोरी में संग्रहीत कर सकता है जिसे अंतिम प्रसंस्करण के लिए ALU में वापस स्थानांतरित कर दिया जाता है। प्रसंस्करण के पूरा होने के बाद अंतिम परिणाम ALU से भंडारण इकाइयों को भेज रहे हैं।

आउटपुट यूनिट

यह इकाई प्रसंस्करण इकाई से संसाधित जानकारी प्राप्त करने का ध्यान रखती है और इसे उपयोगकर्ता को उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करती है। एक कंप्यूटर बाइनरी फॉर्म में परिणाम उत्पन्न करता है और आउटपुट यूनिट इसे उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोग करने योग्य बनाने के लिए डिकोडिंग करता है। वे उपकरण जो कंप्यूटर से सूचना का उत्पादन कर सकते हैं उन्हें आउटपुट यूनिट डिवाइस के रूप में जाना जाता है। प्रिंटर, स्पीकर, प्रोजेक्टर सॉफ्ट आउटपुट डिवाइस हैं जबकि प्रिंटर, प्लॉटर हार्ड कॉपी आउटपुट का उत्पादन करते हैं।

भंडारण इकाई

वास्तविक प्रसंस्करण शुरू होने से पहले, कंप्यूटर में दर्ज किए गए डेटा और निर्देश को कंप्यूटर के अंदर कहीं संग्रहीत किया जाना चाहिए। इसी तरह, कंप्यूटर द्वारा उत्पादित परिणाम को आउटपुट इकाई में पारित होने से पहले संग्रहीत करने की आवश्यकता होती है। कंप्यूटर द्वारा उत्पादित मध्यवर्ती परिणाम को आगे की प्रक्रिया के लिए भी संग्रहीत किया जाना चाहिए। इस प्रकार एक कंप्यूटर सिस्टम में स्टोरेज यूनिट का महत्व महत्वपूर्ण है। भंडारण उपकरण मुख्य मशीन के अंदर है या नहीं, इसके आधार पर, यह आंतरिक या बाहरी भंडारण हो सकता है। इसी तरह, यह देखते हुए कि क्या स्टोरेज डिवाइस सीपीयू के साथ काम करता है या बैकअप मीडिया के रूप में काम करता है, वे प्राथमिक स्टोरेज या सेकेंडरी स्टोरेज हो सकते हैं। प्राथमिक भंडारण को प्राथमिक मेमोरी भी कहा जाता है। सेकेंडरी स्टोरेज को अन्य नामों से जाना जाता है जैसे बैकअप स्टोरेज या सेकेंडरी मेमोरी। भंडारण उद्देश्य के लिए, एक कंप्यूटर सिस्टम में विभिन्न उपकरण हो सकते हैं जैसे कि रजिस्टर, कैश, रैम / रोम, फ्लैश, चुंबकीय डिस्क, और ऑप्टिकल डिस्क और इतने पर।

नियंत्रण विभाग

ALU खुराक पता नहीं है कि डेटा के साथ क्या किया जाना चाहिए, आउटपुट यूनिट को पता नहीं है कि परिणाम कब प्रदर्शित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के निष्पादन के लिए चयन, इंटर्निंग और सीयू देखकर, पूरे सिस्टम के संचालन को क्रम बनाए रखने और निर्देशित करने में सक्षम है। CU डेटा पर कोई वास्तविक प्रसंस्करण नहीं करता है फिर भी इसे कंप्यूटर के आराम के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के रूप में जाना जाता है। यह संपूर्ण प्रणाली का प्रबंधन और समन्वय करता है।

Q.No. 4: कंप्यूटर सिस्टम में विभिन्न प्रकार की कंप्यूटर मेमोरी की सूची। उनके उपयोग बताएं।

उत्तर:

कंप्यूटर मेमोरी सभी विभिन्न प्रकार के डेटा स्टोरेज तकनीक के लिए एक सामान्य शब्द है जिसका उपयोग कंप्यूटर, रैम, रोम और फ्लैश मेमोरी सहित कर सकता है।

कुछ प्रकार की कंप्यूटर मेमोरी बहुत तेजी से डिज़ाइन की जाती हैं, जिसका अर्थ है कि केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई (सीपीयू) वहां संग्रहीत डेटा को बहुत तेज़ी से एक्सेस कर सकती है। अन्य प्रकार बहुत कम लागत के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि बड़ी मात्रा में डेटा को आर्थिक रूप से वहां संग्रहीत किया जा सके।

दूसरा तरीका यह है कि कंप्यूटर की मेमोरी अलग-अलग हो सकती है, कुछ प्रकार गैर-वाष्पशील होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे एक शक्ति नहीं होने पर भी दीर्घकालिक आधार पर डेटा स्टोर कर सकते हैं। और कुछ प्रकार कि कंप्यूटर की मेमोरी अस्थिर होते हैं, जो अक्सर तेज़ होते हैं, लेकिन बिजली बंद होते ही उन पर संग्रहीत सभी डेटा खो देते हैं।

इन प्रकार की कंप्यूटर मेमोरी के संयोजन का उपयोग करके एक कंप्यूटर सिस्टम बनाया जाता है, और सटीक कॉन्फ़िगरेशन को अधिकतम डेटा प्रोसेसिंग गति या न्यूनतम लागत, या दोनों के बीच कुछ समझौता करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।

कंप्यूटर मेमोरी के प्रकार:

प्राथमिक और माध्यमिक

हालाँकि कंप्यूटर में कई प्रकार की मेमोरी मौजूद होती है, लेकिन सबसे बुनियादी अंतर प्राथमिक मेमोरी के बीच होता है, जिसे अक्सर सिस्टम मेमोरी और सेकेंडरी मेमोरी कहा जाता है, जिसे आमतौर पर स्टोरेज कहा जाता है।

प्राथमिक और माध्यमिक मेमोरी के बीच महत्वपूर्ण अंतर पहुंच की गति है।

प्राथमिक मेमोरी में ROM और RAM शामिल हैं, और कंप्यूटर मदरबोर्ड पर CPU के करीब स्थित है, CPU को प्राथमिक मेमोरी से डेटा को वास्तव में बहुत तेज़ी से पढ़ने में सक्षम करता है। इसका उपयोग उन डेटा को संग्रहीत करने के लिए किया जाता है जो CPU को आसन्न रूप से चाहिए ताकि इसे वितरित होने के लिए इंतजार न करना पड़े।

इसके विपरीत द्वितीयक मेमोरी, आमतौर पर भौतिक रूप से एक अलग स्टोरेज डिवाइस के भीतर स्थित होती है, जैसे कि हार्ड डिस्क ड्राइव या सॉलिड स्टेट ड्राइव (SSD), जो कंप्यूटर सिस्टम से सीधे या किसी नेटवर्क पर जुड़ी होती है। माध्यमिक मेमोरी की प्रति गीगाबाइट की लागत बहुत कम है, लेकिन पढ़ने और लिखने की गति काफी धीमी है।

RAM और ROM के बीच अंतर

रोम:

1. गैर वाष्पशील
2. पढ़ने में तेज
3. आमतौर पर कम मात्रा में उपयोग किया जाता है
4. जल्दी से नहीं लिखा जा सकता
5. बूट निर्देश या फर्मवेयर को संग्रहीत करने के लिए उपयोग किया जाता है
6. रैम की तुलना में अपेक्षाकृत महंगा प्रति मेगाबाइट संग्रहीत है

राम:

1. वाष्पशील

2. पढ़ने और लिखने में तेज

3. डेटा को स्टोर करने के लिए सिस्टम मेमोरी के रूप में उपयोग किया जाता है (प्रोग्राम कोड सहित) जिसे सीपीयू को आसन्न प्रक्रिया के लिए आवश्यक है

4. अपेक्षाकृत सस्ता प्रति मेगाबाइट ROM की तुलना में संग्रहीत है, लेकिन माध्यमिक मेमोरी की तुलना में अपेक्षाकृत महंगा है

Q.No. 4: संकलक दुभाषिया और कोडांतरक के कार्य की व्याख्या करें?

उत्तर:

असेंबलर: यह आमतौर पर असेंबली कोड को मशीन लेवल कोड में बदल देता है। हमारे पास निवासी असेंबलर और क्रॉस असेंबलर जैसे असेंबलर हैं और वे एक पास और दो पास असेंबलरों के रूप में विभाजित हैं

Ex: NASM, TASM आदि

कंपाइलर: कंपाइलर का उपयोग प्रोग्राम कोड या सोर्स कोड को हमारे सिस्टम के अंडर लेवल को समझने के लिए किया जाता है जिसे मशीन कोड भी कहा जाता है।

Ex: C, C ++ भाषाएँ

दुभाषिया: एक दुभाषिया एक कंप्यूटर प्रोग्राम है जो एक स्टेटमेंट को सीधे निष्पादित करता है यानी यह रन टाइम के दौरान प्रोग्राम के सिंगल स्टेटमेंट का अनुवाद करता है। यह कार्यक्रम का केवल एक बयान पढ़ता है, इसका अनुवाद करता है और इसे निष्पादित करता है। फिर यह पढ़ता है कि कार्यक्रम का अगला कथन फिर से इसका अनुवाद करता है और इसे निष्पादित करता है। इस तरह यह तब तक आगे बढ़ता है जब तक सभी कथनों का अनुवाद और निष्पादन नहीं हो जाता।

Ex: Python, Lisp etc

Q.No. 5: MICR (मैग्नेटिक इंक कैरेक्टर रिकॉग्निशन) पर संक्षिप्त नोट्स लिखें?

उत्तर:

MICR (मैग्नेटिक इंक कैरेक्टर रिकॉग्निशन) एक ऐसी तकनीक है जिसका इस्तेमाल कागज़ के दस्तावेजों की वैधता या मौलिकता को सत्यापित करने के लिए किया जाता है, खासकर जाँच के लिए। विशेष स्याही, जो चुंबकीय क्षेत्रों के प्रति संवेदनशील है, का उपयोग मूल दस्तावेजों पर कुछ वर्णों की छपाई में किया जाता है। सूचना को चुंबकीय वर्णों में एन्कोड किया जा सकता है।

MICR का उपयोग सुरक्षा को बढ़ा सकता है और कुछ प्रकार के अपराध से होने वाले नुकसान को कम कर सकता है। यदि कोई दस्तावेज़ जाली है - उदाहरण के लिए, रंगीन फोटोकॉपी मशीन का उपयोग करके निर्मित एक नकली जांच, चुंबकीय-स्याही लाइन या तो चुंबकीय क्षेत्रों का जवाब नहीं देगी, या जानकारी को पुनर्प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किए गए डिवाइस का उपयोग करके स्कैन किए जाने पर एक गलत कोड का उत्पादन करेगी। चुंबकीय वर्ण। यहां तक कि एक वैध चेक को अस्वीकार कर दिया जा सकता है यदि MICR रीडर इंगित करता है कि खाते के मालिक के पास खराब चेक लिखने का इतिहास है।

खुदरा विक्रेता आमतौर पर धोखाधड़ी की जांच करने के लिए अपने जोखिम को कम करने के लिए MICR का उपयोग करते हैं। दस्तावेजों की छँटाई में तेजी लाने के लिए निगम और सरकारी एजेंसियां भी तकनीक का उपयोग करती हैं।

अध्याय -1 नोट्स पूरे हुए

अध्याय -2 जारी